K-798

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-505

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. अर्वाचीन मतानुसार सृष्टि के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

2. काल की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

3. अर्वाचीन मतानुसार सौर परिवार का वर्णन कीजिए।

4. ज्योतिष शास्त्र में औषधि, रत्न एवं मन्त्र की भूमिकाओं का वर्णन कीजिए।

5. रोग निदान में ज्योतिष शास्त्र की भूमिका का प्रतिपादन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. छात्रों के शैक्षणिक उन्नति में ज्योतिष शास्त्र की भूमिकाओं का निरूपण कीजिए।

2. सामाजिक समस्याओं के निराकरण में ज्योतिषशास्त्र की भूमिकाओं का वर्णन कीजिए।

3. प्राचीन मतानुसार प्रलय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. मूक एवं वधिर योग का विचार किस भाव एवं ग्रह से किया जाता है? विवेचन कीजिए।

5. द्वादस भावों से विचारणीय विषयों का निरूपण कीजिए।

6. आधुनिक मतानुसार पृथ्वी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. दिग् व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

8. ज्योतिष के तीनों स्कन्धों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।